तापमान
अधिकतम 31.2 डिग्री
न्यूनतम 12.5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, मंगलवार, 3 मार्च 2026

11 सत्तापक्ष की नजर में बजट 'नायाब' विपक्ष ने बताया नीरस व दिशाहीन

12 महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ होलिका पूजन कर मांगी संतान की दीर्घायु

17 वर्षों से लगातार जिले में नं. 1

Raath International Group of Schools

23 YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION

Wish you a very Happy and Colourful HOLI

Stunning Success!

Above 99%ile - 11
Above 95%ile - 25
Above 90%ile - 37
Above 85%ile - 52

JEE Main Result -2026 (JAN. ATTEMPT)

Raath: The Pathway To Your Engineering Dreams!

Our Topper in 5 Distt.

99.99 %ile

YASH YADAV
VIJENDRA SINGH YADAV

Our Alumni in JEE Main & Adv. 510 & 115

99.83 %ile
KHANIKA
KHAILASH CHAND

99.78 %ile
LAKSHAY
DEEPAK KUMAR

99.61 %ile
PRINCE SATIJA
NARESH KUMAR SATIJA

99.58 %ile
ANUSHKA
RAKESH GUPTA

99.44 %ile
PRATHAM YADAV
SARJEET YADAV

99.29 %ile
PAARTH
MAMAN RAM

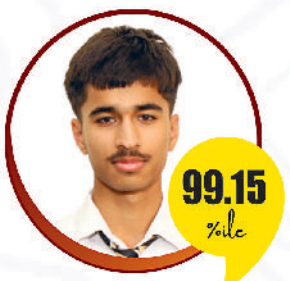

99.15 %ile
ADITYA BISHT
NARENDRA SINGH BISHT

99.13 %ile
PRANEEL
TUSHAR MEHROTRA

99.03 %ile
ISHIT YADAV
RAJESH KUMAR

98.80 %ile
TARUN YADAV
VIRENDRA YADAV

98.46 %ile
UMESH
ISHWAR SINGH

98.11 %ile
DEEPANSHU
SURENDER

98.07 %ile
VINIT SHARMA
MUKESH KUMAR

98.04 %ile
SAGAR RAJ
SHYAM SUNDER

97.82 %ile
ANKUR
DHARMVEER SINGH

97.52 %ile
DAKSH
CHETAN YADAV

97.38 %ile
ROHIT YADAV
VIRENDER SINGH YADAV

97.29 %ile
ARCHANA
MUKESH KUMAR

96.36 %ile
HARSH
RAMNIWAS

96.34 %ile
LAKSHYA
NITYANAND YADAV

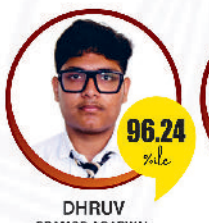

96.24 %ile
DHRUV
PRAMOD AGARWAL

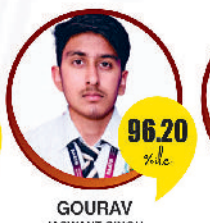

96.20 %ile
GOURAV
JASWANT SINGH

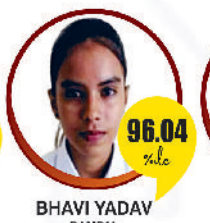

96.04 %ile
BHAVI YADAV
RAMPAL

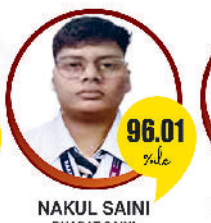

96.01 %ile
NAKUL SAINI
BHARAT SAINI

95.75 %ile
HARSHVARDHAN
AMIT KUMAR SONI

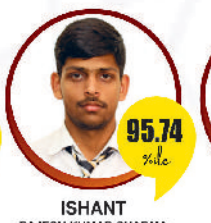

95.74 %ile
ISHANT
RAJESH KUMAR SHARMA

95.34 %ile
SAHYOG YADAV
YOGESH KUMAR

94.24 %ile
SAHIL SINGH
VIRENDER SINGH

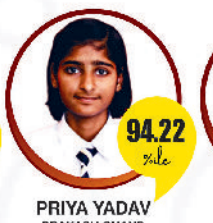

94.22 %ile
PRIYA YADAV
PRAKASH CHAND

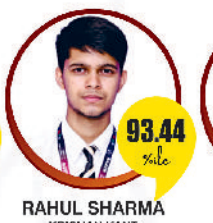

93.44 %ile
RAHUL SHARMA
KRISHAN KANT

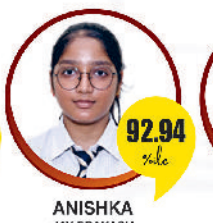

92.94 %ile
ANISHKA
JAY PRAKASH

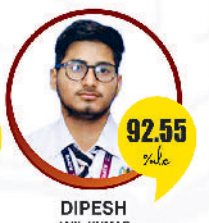

92.55 %ile
DIPESH
ANIL KUMAR

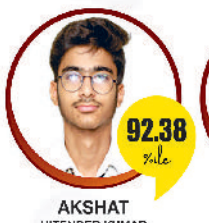

92.38 %ile
AKSHAT
HITENDER KUMAR

91.97 %ile
HARSHVARDHAN
DAYA NAND SHARMA

91.35 %ile
RIYA YADAV
SANDEEP KUMAR

91.06 %ile
VAIBHAV YADAV
VIKRAM SINGH YADAV

91.01 %ile
VISHAL AGARWAL
ANIL KUMAR AGARWAL

90.77 %ile
KRATIK
AMIT GUPTA

89.79 %ile
PRAYASH
ARUN SOMVANSHI

89.74 %ile
ANSHUL YADAV
SUKHVEER YADAV

89.40 %ile
PARVAR
PRATEEK SHUKLA

88.34 %ile
NISHITA
RAVINDER KUMAR

88.03 %ile
GUNJA SONI
RADHE SHYAM SONI

87.68 %ile
RITIKA
MANOJ KUMAR

87.61 %ile
ANJALI
UMESH KUMAR YADAV

87.04 %ile
ANNU YADAV
SAMAYA SINGH YADAV

86.66 %ile
PRASOON MEHTA
VIKRAM SINGH YADAV

86.31 %ile
UTKARSH
RAJENDRA VERMA

86.31 %ile
MAYANK
JITENDER KUMAR

85.40 %ile
VANSHIKA
SANJEEV YADAV

84.20 %ile
JATIN
MANISH KUMAR

81.35 %ile
VASU YADAV
DHARMENDRA YADAV

79.89 %ile
ABHISHEK
MUKESH KUMAR

79.10 %ile
RISHABH
SUDHIR KUMAR YADAV

78.79 %ile
DEVANSH SHARMA
SUSHIL KUMAR SHARMA

78.18 %ile
YASH KUMAR
HARISH KUMAR

Our Alumni in CLAT 180+

SELECTION in NLU -2025-26

Jatin Yadav
NLU BENGALURU

Tamanna Yadav
NLU HYDERABAD

Neha Swami
RGNLU

Monika Gurjar
NLU JODHPUR

Priyansh
NLU SONIPAT

Khusis
NLU BHOPAL

Pragya
NLU JABALPUR

Our Alumni in STSE 472+

SELECTION in STSE - 2024-25

1st in 3 Distt.

State Rank 6
Pratyush

2nd in 3 Distt.

State Rank 7
Ansh

State Rank 8
Yameer

State Rank 8
Hardik

Raath an 50% in Top 10 of STSE in Raj.
Maximum 65 Selections in STSE by a School in Raj.

ADMISSION OPEN
for Nursery to XII -2026-27

For Reg. Scan QR Code

Air-cooled Separate Hostel for Boys & Girls at Behror with Horse Riding, Swimming Pool & Gym.
Chief Warden - 9079621387

Upto 100% Scholarship Test
for Class Ist to 12th
08 March at 11.00 AM

NEET 295+ Selections | JEE Main 510+ Selections | JEE Advance 115+ Selections | NDA 297+ Selections | NTSE 275+ Selections | STSE 472+ Selections | CUET 202+ Selections | CA 121+ Selections | CLAT 180+ Selections

For more visit at:
raathinternationalschoolsgroup.com

ALWAR CAMPUS 9887637800
BEHROR CAMPUS 8769128418
KUND CAMPUS 7027071606
BHIWADI CAMPUS 9257675606

भारतीय जन-जीवन में फागुन का आगमन केवल ऋतु-परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का सक्रिय समय होता है। इस चेतना को अपने अस्तित्व में संजोती, उसमें लोक व्यवहार और परंपराओं को पोसती स्त्री की सहभागिता, फागुन में नव-उमंग को संचारित करती है। इससे घर-परिवार और समाज में जीवंतता का इंद्रधनुषी रंग घुल-मिल जाता है।

फागुन की थाप में स्त्री की भूमिका

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

फागुन वह महीना है, जब प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन, पेड़ों पर बौर, टेसू के फूलों की केसरिया आभा, हवा की गंध, मनुष्य की स्मृतियों और संबंधों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं। ऋतु का यह बदलाव बाहरी दृश्य से अधिक आंतरिक अनुभव का विषय बन जाता है। विशेषतः स्त्री के जीवन में फागुन एक साथ स्मृति, अनुभव, सजगता और सहभागिता का समय लेकर आता है। उल्लास की डोर हौले से पकड़ा देता है।

स्पष्ट संकेतों के साथ फागुन का आगमन

प्रकृति के स्तर पर फागुन का आगमन स्पष्ट संकेतों के साथ होता है। हवा में महुए की गंध घुलने लगती है, टेसू के फूल, गेहूं, चने की पकी फसलें, खेतों और बागों को रंग देते हैं, धूप में हल्का सुनहरापन घुल जाता है। यह परिवर्तन केवल दृश्य नहीं, संवेदनात्मक भी होता है। गंध, रंग और ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित करते हैं, जिसमें अतीत और वर्तमान का अंतर कम होने लगता है। ढोलक की थाप, फगुआ के गीत और गली-मोहल्लों की चहल-पहल सामूहिकता का आह्वान करती है। यह वह समय है, जब व्यक्ति अपने निजी जीवन से बाहर निकलकर समुदाय का हिस्सा बनता है। एक अपने से दृष्टि हटाकर कुनबे की तरफ देखता है।

सामाजिक भेद से दूर होली का उल्लास

होली के दिन सामाजिक भेद कुछ समय के लिए हल्के पड़ जाते हैं। यह भेद मिटाना केवल खेल के लिए नहीं, प्रतीकात्मक क्रिया होती है। यह बताने के लिए कि सामाजिक ऊंच-नीच, औपचारिकता और दूरी का स्थान उत्सव में सीमित है। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष, सभी एक साथ रंग में भीगते और गले मिलते हैं। ढोलक की थाप और फगुआ के गीत सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में पीढ़ियों का अनुभव, हास्य, व्यंग्य और जीवन-दृष्टि संचित रहती है। पारंपरिक समाज में वे प्रारंभ में चौखट के भीतर से देखती थीं, पर धीरे-धीरे सहभागिता का दायरा बढ़ता गया।

उम्र के हिसाब से बदल जाता है फागुन का अर्थ

जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में फागुन का अर्थ बदलता है। बचपन में यह केवल खेल और आनंद का समय होता है- पिचकारी, रंग और खुली हंसी। किशोरावस्था में रंगों का अनुभव अधिक संवेदनशील हो उठता है, सामाजिक और शारीरिक चेतना जागृत होती है। विवाह के बाद नए परिवेश में स्त्री को संबंधों की मर्यादाएं समझनी होती हैं, किसके साथ कितनी सहजता उचित है, कहां संयम आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वह अपने लिए संतुलित स्थान तय करती है। धीरे-धीरे वह समझती है कि उत्सव में भागीदारी का अर्थ भीड़ में विलीन हो जाना नहीं, बल्कि अपनी गरिमा बनाए रखते हुए शामिल होना है।

रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ आज भी है प्रासंगिक

समकालीन संदर्भ में भी फागुन का महत्व बना हुआ है, यद्यपि स्वरूप में परिवर्तन आया है। शहरी जीवन में सामूहिकता का रूप सीमित हो सकता है, पर रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ अब भी प्रासंगिक है। सम्मान, सहमति और सहभागिता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। इस परिवर्तन में स्त्री की भूमिका अधिक स्पष्ट और मुखर हुई है। वह उत्सव की सहभागी ही नहीं, उसकी दिशा निर्धारित करने वाली भी है। अंततः फागुन एक ऐसा सांस्कृतिक क्षण है, जिसमें प्रकृति, समाज और व्यक्ति का अनुभव एक-दूसरे से जुड़ता है। यह स्मृति को सक्रिय करता है, संबंधों की परीक्षा लेता है और सामूहिकता की भावना को पुनर्स्थापित करता है। स्त्री के संदर्भ में फागुन का महीना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इसमें श्रम, संवेदना, सावधानी और उल्लास, सभी को संतुलित करती है।

केवल रंगों का पर्व नहीं फागुन

यदि उत्सव में आनंद और मर्यादा साथ चलें, तो फागुन केवल रंगों का पर्व नहीं, सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक भी बन जाता है। इसी सांस्कृतिक संदर्भ में उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली विशेष उल्लेखनीय है। यहां लट्ठमार होली की परंपरा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सामाजिक संवाद है। स्त्रियां लाठियां लेकर पुरुषों पर प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उसे खेल भाव से स्वीकारते हैं। यह आयोजन लोकविश्वास से जुड़ा है, जिसमें राधा-कृष्ण की लीलाओं का स्मरण निहित है। यहां स्त्री केवल दर्शक नहीं, सक्रिय केंद्र में होती है। उसकी उपस्थिति उत्सव की धुरी बनती है और प्रतिरोध भी विनोद के भीतर रूपायित होता है। श्रीकृष्ण के रंग-अनुराग का प्रसंग होली के पर्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विस्तार देता है। श्रीकृष्ण द्वारा गोपियों पर रंग डालने की कथा केवल राग-रंग का प्रसंग नहीं, बल्कि प्रेम की स्वीकृति और संवाद का प्रतीक है। राधा-कृष्ण की परंपरा में रंग एकतरफा नहीं, प्रत्युत्तर में लौटता है, यह समानता और सहभागिता का सांकेतिक रूप है। इस प्रकार फागुन का सांस्कृतिक अर्थ व्यक्तिगत स्मृतियों से लेकर लोक-परंपराओं और दार्शनिक प्रतीकों तक विस्तृत है। स्त्री की स्मृति, उसकी सजगता और उसकी सक्रिय भागीदारी इस पर्व को पूर्णता देती है।

स्त्री-शक्ति के सात रंग

महिलाओं को सशक्त बनने के लिए अपने जीवन में सशक्तिकरण के प्रतीक ये सात रंग भरने जरूरी हैं। ये रंग कौन से हैं, इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

आह्वान

शिखर चंद जैन

महिलाओं को सशक्त बनाना किसी भी समाज-राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे प्रभावशाली कदम है। इसके लिए हर महिला को अपने जीवन में इन सात रंगों को सजाना होगा।

पहचान का रंग

सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी स्वयं को पहचानना है। एक स्त्री को समाज द्वारा तय की गई भूमिकाओं से इतर अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए। पुस्तक, 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' की लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'हमारी पहचान हमारे अतीत से नहीं, बल्कि हमारे चयन से बनती है।'

आर्थिक आत्मनिर्भरता का रंग

आज के दौर में 'फाइनेंशियल फ्रीडम' नारी शक्ति का मुख्य स्तंभ माना गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला न केवल अपने परिवार की रीढ़ बनती है, बल्कि देश की जीडीपी में भी योगदान देती है। आर्थिक स्वावलंबन, उद्यमिता और वित्तीय मजबूती ही असली सशक्तिकरण है।

साहस का रंग

इतिहास से लेकर वर्तमान तक, महिलाओं का संघर्ष ही उनके साहस का वास्तविक परिचायक रहा है। चाहे वह झांसी की रानी की ऐतिहासिक वीरता हो या आज की महिला सैनिकों, वैज्ञानिकों और एथलीटों का संघर्ष। साहस, नारी का वह रंग है, जो उसे विपरीत परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देता। मुसीबतों के सामने डटे रहना ही नारी शक्ति का सबसे गहरा रंग है।

शिक्षा का रंग

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि सोचने का नजरिया देता है। उच्च शिक्षा और तकनीक का ज्ञान महिलाओं को रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाता है। यह रंग अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर तार्किक सोच विकसित करता है।

नेतृत्व क्षमता का रंग

आज के दौर में महिलाएं केवल आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। कॉर्पोरेट बोर्डरूम से लेकर पंचायतों और संसद तक, महिलाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि उनमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होती है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करके दिखाया है कि महिलाएं केवल घर ही नहीं, बल्कि दुनिया चलाने की क्षमता रखती हैं।

संवेदनशीलता का रंग

अकसर ही संवेदनशीलता को कमजोरी समझा जाता है, लेकिन नारी शक्ति का एक रंग उसकी संवेदनशीलता और भावनाओं में भी छिपा है। एक सशक्त महिला अपने आसपास के परिवेश को अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण बनाने का सामर्थ्य रखती है।

सामाजिक न्याय का रंग

नारीवाद का आधुनिक रंग केवल अपने हक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में न्याय की स्थापना का रंग है। यह रंग एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। सशक्तिकरण का यह रंग चुप रहने की परंपरा को तोड़कर बदलाव की आवाज बनने का आह्वान करता है।

होली का त्योहार हर्षोल्लास से भरा होता है। लेकिन रंगों में मौजूद केमिकल्स कई बार आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित होते हैं। इनसे बचाव के लिए आपको किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए, बता रहे हैं डिटेल में।

बरतें सावधानी-मनाएं सुरक्षित होली

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रॉबिन लोहिया
जनरल फिजिशियन, दिल्ली

बगैर सावधानी बरते और केमिकल वाले रंगों से होली खेलने की वजह से कई लोगों को स्किन और आंखों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स: आमतौर पर बाजार में बिकने वाले होली के रंगों में लेड, मरकरी, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट और इंडस्ट्रियल डाइज होते हैं, जो एलर्जी और इंफेक्शन का कारण बन जाते हैं। रंगों में मौजूद केमिकल्स त्वचा की प्राकृतिक नमी सोख लेते हैं, इससे रूखापन, जलन और खुजली जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। इनकी वजह से लाल चकत्ते, सूजन और फफोले जैसी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं। इससे एक्जिमा, सोरायसिस या एटोपिक डर्मेटाइसिस जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। कुछ रंगों में ऐसे जहरीले तत्व पाए जाते हैं, जिनसे बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी खतरा हो सकता है। इनकी वजह से नाखून टूटने और बाल झड़ने की भी समस्या हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को रंगों से ज्यादा नुकसान पहुंचता है, क्योंकि उनकी त्वचा संवेदनशील और पतली होती है।

बचाव के उपाय: होली के दौरान त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए हल्दी, चुकंदर, अनार, हरसिंगार और पलाश के फूलों से बना प्राकृतिक रंग ही इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि इन प्राकृतिक तत्वों को उबाल कर घर पर खुद ही रंग तैयार करें। समय की कमी के कारण अगर ऐसा संभव न हो तो बाजार से रेडिमेड कलर खरीदते समय हर्बल और नेचुरल का लेबल जरूर चेक करें। होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल तेल और पेट्रोलियम जैली लगाएं। रंगों के असर से बचाव के लिए बालों में भी तेल लगाएं। ये चीजें त्वचा पर सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं, जिससे रंग त्वचा के भीतर गहराई तक घुस नहीं पाते। चेहरे के अलावा गर्दन और हाथ-पैरों का विशेष ध्यान रखें। होंठों और आंखों के आस-पास जैली लगाना न भूलें। होली खेलने के लिए घर से बाहर निकलते समय शरीर के खुले हिस्सों पर 50 प्रतिशत एसपीएफ पॉवर का सनस्क्रीन जरूर लगाएं, क्योंकि दिन के वक्त रंगों से होली खेलने पर त्वचा में जलन हो सकती है। रंगों से बचाव के लिए हमेशा फुल स्लीव्स की ड्रेस पहनें। नहाने के बाद एलोवेरा जैल या मॉयश्चराइजर लगाएं। खुजली या रैशेज हों तो एंटी एलर्जिक क्रीम लगाएं।

आंखों की ऐसे करें केयर: सूखे रंगों से आंखों के कॉर्निया में खरोंच आ सकती है। रंगों में मौजूद केमिकल्स से आंखों में जलन और खुजली हो सकती है। इसकी वजह से एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी हो सकता है। गंभीर मामलों में केमिकल बर्न और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव: अगर कोई आपके चेहरे पर रंग लगा रहा है तो उस वक्त अपनी आंखें बंद कर लें। होली खेलने से पहले सनग्लास पहनना न भूलें। आंखों के चारों तरफ मॉयश्चराइजर या नारियल तेल लगाएं, इससे त्वचा पर रंग नहीं चिपकता है। अगर आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत ठंडे पानी धो लें। आंखों को रगड़ें नहीं, इससे रंगों के कण बहुत गहराई से आंखों के भीतर चले जाते हैं। अगर आंखों में जलन हो रही हो तो ल्यूब्रिकेटेड आई ड्रॉप का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होगा। अगर आपकी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगा है तो होली खेलने से पहले उसे बाहर निकाल लें। अगर इन प्रयासों के बाद भी जलन कम न हो तो आई स्पेशलिस्ट से सलाह लें। होली खेलते समय बच्चों का विशेष ख्याल रखें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके परिवार के लिए यह त्योहार सुरक्षित और खुशियों से भरा होगा।

प्रस्तुति: विनीता

तब बनेंगी सभी महिलाएं सशक्त-खुशहाल

बदलाव की राह

चैतन्या

महिलाएं समाज को बहुत कुछ देती हैं। परिवार के लिए अपना जीवन अर्पित कर देती हैं। रिश्तों-नातों को सहेजते हुए खुद अपने आप की अनदेखी तक कर देती हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी अपनों की जरूरतों के आगे मन की हर इच्छा को दोयम दर्जे पर रख देती हैं। बहुत सी स्त्रियां करियर छोड़ केवल घर-आंगन तक सिमट जाती हैं। हर भूमिका में स्त्रियां अपनों को भावनात्मक सहारा देती हैं। स्त्रियां आमतौर पर देने वाले पाले में ही रहती हैं। जरूरी है कि समाज, परिवार, रिश्तेदार, मित्र और सहकर्मी उनके लिए भी कुछ करने की सोचें। औपचारिकता भर नहीं बल्कि मन से महिलाओं के जीवन से जुड़े हर पहलू को बेहतर बनाने में हेल्पफुल बनें। याद रहे कि स्त्रियों की इस बेहतरी से समग्र समाज की बेहतरी भी जुड़ी है। इस साल इंटरनेशनल वुमेंस-डे (8 मार्च) की थीम 'गिव टू गेन' है। यह विषय महिलाओं की सहजता के लिए देने या कुछ करने के व्यापक असर पर बल देता है।

समर्थन और सराहना: घर हो या बाहर, स्त्रियां अकसर अकेली पड़ जाती हैं। मुश्किल घड़ी में भी पूर्वाग्रही सोच से ही उनके व्यक्तित्व को आंका जाता है। उनके फैसलों को तयशुदा समझ से जज किया जाता है। ऐसे में स्त्रियों को कुछ देने या उनके लिए कुछ करने की सोच समर्थन या सराहना के बिना अधूरी है। ऐसे में महिला दिवस की थीम 'गिव टू गेन' सभी को अपने विचार-व्यवहार का रिव्यू करने का आह्वान करती है। वर्कप्लेस से लेकर घर के आंगन तक, स्त्रियों के प्रति उदार बनने का संदेश देती हैं। उनकी भूमिका और भागदौड़ की सराहना करने की सोच जगाने वाली है।

संसाधन और सुरक्षा: महिलाओं के लिए हालात कई मोर्चों पर उलझाऊ हैं। कहीं काम करने के अवसर हैं तो सुरक्षित माहौल नहीं। जहां सेफ्टी है वहां सही अवसर नहीं हैं। नई शुरुआत के लिए जगह हो या धन, अपनी मर्जी से उपयोग कर लेने के हालात आज भी आम नहीं हैं। यही वजह है कि 'गिव टू गेन' का भाव संसाधन और सुरक्षा के मामले में आवश्यक है। इसीलिए महिलाओं को सुरक्षा और संसाधन दीजिए, ताकि वे अपनी काबिलीयत को सिद्ध कर सकें। थोड़े से सहयोग और अपनी योग्यता के बूते नवाचार करने वाली महिलाएं समाज-परिवार ही नहीं राष्ट्र को भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा और समानता: बेटियों को बेटों के समान ही पढ़ने-लिखने का हक और माहौल देना तरक्की की साझी सोच की बुनियाद है। इस वर्ष की थीम असल में 'मेरा' से 'हमारा' के विचार को अपनाने पर बल देने वाली है। यह विषय कहता है कि इक्वेलिटी का वह परिवेश बने जिसमें समय, सहानुभूति और खुद को साबित करने का मौका सभी के हिस्से आए। हमारे यहां महिलाओं के साथ आज भी कार्यस्थल पर समान व्यवहार नहीं किया जाता। घरेलू जिम्मेदारियों को अकेले ही उठाने के चलते कामकाज के सही मौके उनकी झोली में नहीं आते। ऐसे में सभी के लिए बहुत जरूरी है कि बहू-बेटियों को बराबरी के अवसर देते हुए खुलकर जीने का स्पेस दें।

बीते कुछ दशकों में स्त्रियों के जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। संघर्ष से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब सृजन के नित नए आयाम गढ़ रही है।

बदलता स्त्री-जीवन संघर्ष से सृजन की यात्रा

नया दौर

अलका 'सोनी'

समकालीन समय में स्त्रियों का जीवन बहुआयामी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसे हर जगह देखा और महसूस किया जा सकता है। यह सुखद परिवर्तन केवल स्त्री की बदलती बाहरी भूमिकाओं में ही नहीं, बल्कि मानसिकता, आत्मविश्वास और आत्मस्वीकृति का भी है। आज की स्त्री घर की चारदीवारी से निकलकर कार्यस्थलों, राजनीति, विज्ञान, साहित्य और कला जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। परंतु परिवर्तन की उनकी इस यात्रा में संघर्ष, संतुलन और आत्मसंवाद की लंबी प्रक्रिया शामिल होती है। जिसे पार करते हुए वे आज अपनी सफलता की कहानी खुद ही बयां कर रही हैं।

सपनों की नई परिभाषा: पहले स्त्री के सपनों को परिवार की अपेक्षाओं के अनुरूप आकार दिया जाता था। वे जिम्मेदारियों से लदी नजर आतीं थीं। उनके लिए, अपने बारे में सोचना जैसे निषिद्ध था। लेकिन आज वे अपने सपनों को स्वयं परिभाषित कर रही हैं।

शिक्षा ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करना चाहती हैं, चाहे वह करियर का चयन हो, विवाह का निर्णय हो या मातृत्व का समय।

जिम्मेदारियों का दोहरा दायित्व: हालांकि परिवर्तन के इस दौर में स्त्री पर जिम्मेदारियों का भार बढ़ा ही है। घर और बाहर के बीच 'वर्क-पर्सनल लाइफ बैलेंस' उनके लिए रोज का अभ्यास है। यह दोहरा दायित्व कई बार मानसिक दबाव उत्पन्न करता है, किंतु यही दबाव उसे अधिक संगठित, संवेदनशील और दृढ़ भी बनाता है।

डिजिटली भी हैं एक्टिव: हमेशा से चुप और सिमटी रहने वाली स्त्रियों को सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति का नया माध्यम दिया है। अब उनकी आवाज सीमित दायरे तक नहीं रहती। उनकी गूंज हर तरफ सुनाई देती है। वे अपने अनुभव, विचार और रचनात्मकता को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचा सकती हैं। इससे एक सामूहिक चेतना का निर्माण हो रहा है, जहां स्त्रियां एक-दूसरे के संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा लेती हैं। उनके सामने जानकारियों का एक नया संसार खुल रहा है। हालांकि अब भी यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि सब कुछ बदल गया है। लैंगिक असमानता, कार्यस्थल पर भेदभाव, घरेलू हिंसा और रूढ़िगत सोच अब भी मौजूद हैं। लेकिन आशा की किरण यह है कि अब स्त्री इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं करती। वह समाधान खोजती है और आवाज भी बुलंद करती है।

खबर संक्षेप

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। पुलिस ने बेरली कलां गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल मेंउपचाराधीन घायल के बयान पर गत 13 फरवरी को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने उस पर लाठी-डंड़ों से हमला करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में बेरली कलां निवासी भूपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 19 जनवरी को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने फरीदाबाद के गिलोट निवासी रमेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत किया गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर विपरीत दिशा में वाहन चलाकर दूसरे वाहन चालकों की जान जोखिम में डालने के आरोप में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के सिसोठ निवासी दिलबाग को गिरफ्तार कर, उसका ट्रक जब्त कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सुरक्षा व शांति बनाए रखने के लिए हर गतिविधियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ होलिका पूजन कर मांगी संतान की दीर्घायु, कल होगा फाग उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को होली का पर्व उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। शहर की सभी कॉलोनियों व मोहल्लों सहित गांवों में महिलाओं ने होलिका का पूजन करके बच्चों की दीर्घायु मांगी। रात्रि को शुभ मुहुर्त पर होलिका का दहन किया गया। प्रातः से ही होलिका पूजन के लिए महिलाओं की काफी भीड़ रही। महिलाओं ने होलिका की विधिवत रुप से पूजा-अर्चना की और अपनी संतानों की दीर्घायु कर कामना भी की। महिलाओं ने पारंपरागत वेशभूषा में होलिका की परिक्रमा की। पूजन सामग्री में हरे चने व गेहूं की बालियां, कूकड़ी व बिड़कले चढ़ाएं गए। देर शाम शहर में सेक्टर एक, नई अनाजमंडी, कंपनी बाग, मॉडल टाउन, रामपुरा व सेक्टरों सहित सभी मोहल्लों व कॉलोनियों में होलिका का दहन किया गया। महिलाओं ने होलिका का व्रत भी रखा और घरों में पकवान बनाए। बाजार में होली के पर्व पर रंग-गुलाल व पिचकारी से सजी दुकानों पर काफी भीड़ नजर आई। जिले में 4 मार्च को धुलेंडी पर्व मनाया जाएगा।

रेवाड़ी। रामपुरा में होलिका पूजन करते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

बाजार में होली के पर्व पर रंग-गुलाल व पिचकारी से सजी दुकानों पर काफी भीड़ नजर आई। जिले में 4 मार्च को धुलेंडी पर्व मनाया जाएगा

रेवाड़ी। होलिका पूजन के बाद सेल्फी लेते हुए महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

सौहार्द, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं होली पर्व: डीसी

शहर में धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी सामूहिक रूप से होली मिलन समारोह का आयोजन कर रही हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि होली का त्योहार सौहार्द, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं तथा पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखें। होली पर रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक एवं सुरक्षित रंगों का उपयोग करें। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि त्योहार के उल्लास में अनुशासन एवं मर्यादा बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि से दूर रहें। होली पर्व पर सुरक्षा व शांति बनाने रखने के लिए पुलिस ने शहर के विभिन्न चौक व चौराहों पर पुलिस तैनात किए है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। इस त्योहार पर लोगों को अपने सभी मनमुटाव दूर कर एक दूसरे के गले लगना चाहिए, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व माहौल खराब करते है, ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए पुलिस तैयार है।

महिलाओं ने की होलिका माता की परिक्रमा

कोसली क्षेत्र में महिलाओं ने होलिका की परिक्रमा व पूजन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने नाहड़ बस स्टैंड के समीप घोर में बनी होली पर बिड़कले, गुड़ और गेहूं की बाल से होली पूजन किया। महिलाओं ने होलिका माता की परिक्रमा कर परिवार की सुख-शांति की दुआ मांगी। सुनीता, मीरा, अनीता व कौशल्या ने कहा कि होली आपसी प्रेम, उल्लास और भाईचारे का पवित्र पर्व है, हमे इसे हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। धारूहेड़ा के सोहना रोड पर महिलाओं ने उपवास रखकर होलिका का पूजन किया।

चंद्र ग्रहण के कारण चार को मनेगा फाग उत्सव

ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने कहा कि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण के कारण मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे। चंद्र ग्रहण शुरू होने से पूर्व ही इसका सूतक काल शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि चंद्र ग्रहण खंड ग्रास चंद्र ग्रहण है। यह 3 मार्च की दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शाम 6 बजकर 46 मिनट तक होगा। चंद्र ग्रहण की अवधि 3 घंटे 27 मिनट की होगी और सूतक काल प्रातः 6 बजकर 20 मिनट से शुरू हो जाएगा। धुलेंडी का पर्व 4 मार्च को मनाया जाएगा। बाजार में रंग-गुलाल, पिचकारियों की दुकानें सजी हुई है। लोग जमकर खरीददारी करने में जुटे हैं। सभी ने रंग खेलने की तैयारियां पूरी तरह से की हुई हैं।

पुलिस का अपराधियों पर आक्रमण, विभिन्न अपराधों में संलिप्त 60 आरोपियों को दबोचा

- 19 उद्घोषित-जमानोत्तर तथा एक 10 हजार रुपये की इनामी महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को जिले में अपराध नियंत्रण के लिए ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। अभियान के दौरान जिला पुलिस ने विभिन्न अपराधिक मामलों में संलिप्त रहे 60 आरोपियों को धर दबोचने में सफलता हासिल की। ऑपरेशन आक्रमण के लिए एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा की ओर से सीआईए, थाना व चौकी स्तर पर टीमों का गठन किया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग-अलग मामलों में उपलब्धि हासिल की है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। सभी अपराधी सलाखों के पीछे जाने के लिए तैयार रहे। एसपी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे तो डायल 112 पर तुरंत सूचना दें।

रेवाड़ी। अभियान के दौरान नाके पर तैनात पुलिसकर्मी।

पुलिस ने इन मामलों में पाई सफलता

पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 7 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 104.50 बोतल अवैध देशी शराब बरामद की। एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उससे 62.18 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ चुल्फा बरामद किया। जुआ अधिनियम के तहत दर्ज 4 मामलों में 10 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उससे जुआ एवं सट्टा में लगाई गई 63490 रुपये की राशि बरामद की। सीआईए कोसली ने थाना पल्लू राजस्थान में दर्ज चोरी के मामलों में, एक 10 हजार रुपये की एक इनामी महिला आरोपी को काबू करके राजस्थान पुलिस के हवाले करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने 19 उद्घोषित-जमानोत्तर अपराधियों को धर दबोचने में सफलता प्राप्त की,जो काफी लंबे अरसे से पुलिस गिरफ्त से फरार चले हुए थे। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में अदालत की ओर से अरेस्ट व कंडीशनल वारंट जारी होने पर 6 आरोपियों को काबू करके अदालत में पेश किया।

रेजांगला युद्ध स्मारक पर अमर शहीदों को किया नमन

रेवाड़ी। रेजांगला स्मारक पर शहीदों को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। रेजांगला बटालियन 13 कुमाऊं में 28 वर्ष की सेवा के बाद रिटायर हुए कप्तान राजेश यादव ने दिल्ली रोड स्थित रेजांगला युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर अमर शहीदों को नमन किया। रेजांगला शौर्य समिति व अहीर रेजिमेंट संघर्ष समिति टीम ने कप्तान राजेश का अभिनंदन किया। ऑप्रेशन मेघदूत, विजय, पराक्रम, रक्षक व ऑप्रेशन फालकोन में अपनी बहादुरी का परिचय देकर सेवानिवृत्त हुए राजेश ने अपने गांव गुंता जिला बानसूर जाने से पहले युद्ध स्मारक पर नमन किया। इस अवसर पर कप्तान भोलाराम, कप्तान चंदन सिंह, राव अजीत सिंह, कप्तान राजेंद्र सिंह, कप्तान हरिओम, कप्तान देव पाल, कप्तान रविन्द्र, सूबेदार चमन लाल, सूबेदार सुनील कुमार, सूबे मेजर शीश राम, सूबे मेजर धर्म देव, सूबे मेजर सुखबीर सिंह, डा. रामपाल, इंजीनियर सचिन,हवलदार राज पाल, हवलदार गजराज, कर्ण सिंह कोच, हवलदार हरिबाबू, हवलदार सुनील व नायक महेश उपस्थित थे।

सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम में राज इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

रेवाड़ी। राज स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल के 252 में से 236 विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करके विद्यालय को गौरवान्वित किया है। कक्षा छठी में प्रवेश पाने के लिए 157 में से 147 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल की परीक्षा पास की, वहीं कक्षा नौवीं मे प्रवेश परीक्षा में 95 में से 89 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। कक्षा नौवी के लिए छात्र प्रशांत ढिल्लों ने ऑल इंडिया रैंक 11, रायांश राव ने ऑल इंडिया रैंक 130 और छात्र उदित ने ऑल इंडिया रैंक 143 प्राप्त किया। चयनित विद्यार्थियों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी व हेमंत सैनी ने बच्चों का मार्गदर्शन करने वाले अध्यापकों के कठिन परिश्रम की सराहना की। स्कूल चेयरमैन राजेन्द्र सैनी ने इस उपलब्धि का श्रेय उपप्रधानाचार्य निधि सैनी, सुनील कुमारी, भूमिका वाधवा, विनेश, परवेश, शालू, रजत, सोनम, कोपल,कोमल आर्य, कोमल अदलखा, मंजीत, महेश यादव, कुसुम यादव, वंदना, शिल्पा सपरा, मिनाक्षी व कंचन को दिया।

सिपाही से मुख्य सिपाही पर पदोन्नति की बी-1 परीक्षा में137 जवान हुए उत्तीर्ण

- बी-1 परीक्षा में सफल जवानों ने अनुशासन और तत्परता का परिचय दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस विभाग में सिपाही से मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत होने के लिए विभागीय परीक्षा बी-1 का आयोजन किया जाता है। बी-1 परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जवानों को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में परीक्षण दिया जाता है। परीक्षण उत्तीर्ण करने के बाद जवानों को मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत किया जाता है। गत दिवस रविवार को राज इंटरनेशनल स्कूल की कंप्यूटर लेब में रेंज स्तरीय बी-1 परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में जिला रेवाड़ी, पलवल, नूहं व महेन्द्रगढ़ के 385 जवानों ने भाग लिया, जिसमें से 137 जवानों ने परीक्षा पास कर सफलता हासिल की। चेयरपर्सन आईजीपी साउथ रेंज नाजनीन भसीन, एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा व डीसीपी ट्रैफिक गुरुग्राम डा. राजेश कुमार मोहन परीक्षा केंद्र पर मौजूद थे। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोमवार को पुलिस लाइन में परेड का आयोजन किया गया। परेड के दौरान चेयरपर्सन आईजीपी नाजनीन भसीन के समक्ष बी-1 परीक्षा में सफल जवानों ने अनुशासन और तत्परता का परिचय दिया। इसके बाद वेपन हैंडलिंग का परीक्षण कराया गया, जिसमें हथियारों को खोलना और पुनः जोड़ना शामिल था। बी-1 परीक्षा कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन माध्यम से एक विशेष सॉफ्टवेयर पर आयोजित की जाती है। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रकार के 140 प्रश्न पूछे गए। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

रेवाड़ी। पुलिस लाइन में मौजूद आईजी, एसपी व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल में सरसों मेले का आयोजन

रेवाड़ी का किसान रेतीली व कम उपजाऊ जमीन से सोना उपजा रहा: डा. गर्ग

- 50 प्रगतिशील किसानों व महिलाओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल में सोमवार को सरसों मेले का आयोजन किया गया। मेले में जिले व आसपास के इलाके के करीब 800 किसानों ने भाग लिया, जिनमें महिला किसान भी शामिल रही। कार्यक्रम में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने जिले के किसानों को सरसों का क्षेत्रफल, पैदावार व उनकी खाद्य उत्पादन में भागीदारी के लिए बधाई दी। सीमित संसाधनों के बावजूद भी रेवाड़ी का किसान रेतीली व कम उपजाऊ जमीन से भी सोना उपजा रहा है। मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए जैविक-प्राकृतिक खेती और संरक्षण कृषि के तहत फसलों की नई उत्पादन प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की आवश्यकता है। बेहतर मिट्टी स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए, कृषि प्रणाली में तिलहन और दलहन को शामिल करने की आवश्यकता है। आज के दिन कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से कहीं भी कम नहीं है। कार्यक्रम में डा. कपूर सिंह, डा. नरेंद्र सिंह, डा. अनिल यादव, डा. राजपाल देशवाल, डा. नरेश यादव, डा. सत्यमजीत यादव, डा. अमरजीत निभोरिया, डा. प्रमोद यादव, डा. जितेन्द्र यादव, डा. मुकेश, डा. नविश कांबोज, डा. अशोक डहिनवाल, डा. मनोज, डा. धर्मप्रकाश, डा. अनुराधा, डा. आत्मन पूनिया, डा. विकास गिल, डा. अंकित यादव, डा. संजय, डा. महेंद्र यादव, डा. संदीप यादव, डा. चरण शेखों, डा. अनिल मलिक, डा. तन्वी, डा. प्रीति, डा. पूजा, डा. भारतेंदु, डा. राकेश श्योरान व डा. अनिल सिरोहा मौजूद रहे।

रेवाड़ी। सरसों मेले में लगी स्टॉल का अवलोकन करते डा. गर्ग व अन्य, कार्यक्रम में महिला किसान को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

मेले में कृषि प्रदर्शनी भी लगाई

कार्यक्रम में यशपाल खोला के नेतृत्व में अरावली किसान क्लब की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. गर्ग का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मबीर यादव ने भी मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मेले में किसानों को किचन गार्डनिंग के लिए सब्जियों के बीज भी उपलब्ध कराए गए। कृषि विज्ञान केंद्र बावल के संयोजक डा. बलबीर सिंह ने किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। मेले में कृषि प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में करीब 50 प्रगतिशील किसानों, महिलाओं तथा प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कृषि महाविद्यालय बावल के प्राचार्य डा. नरेश कौशिक ने किसानों व अतिथियों का धन्यवाद किया।

ग्राम पंचायत खण्डोड़ा
खण्ड बावल, जिला रेवाड़ी

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खण्डोड़ा खण्ड बावल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) में पेड़ों की नीलामी दिनांक 05.03.2026 वार-चीरवार को प्रातः 11 बजे गांव के ग्राम सचिवालय में की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता को 10,000/- रु. (दस हजार रु.) सिक्योरिटी राशि के रूप में बोली देने से पूर्व जमा करवानी होगी। नीलामी की अन्य शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

हस्ता/- खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, बावल
हस्ता/- पूनम, सरपंच ग्राम पंचायत खण्डोड़ा, मो. 7891233853

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

तोहफा : 200 की जगह 300 बेड में अपग्रेड होगा जिला अस्पताल

- हर वर्ग के लोगों का बजट में सीएम ने रखा ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीएम नायब सिंह सैनी की ओर से सोमवार को पेश किए नए वित्त वर्ष के बजट को जहां सत्ता पक्ष के नेताओं ने जमकर सराहा है, वहीं विपक्षी नेताओं ने बजट को नीरस और दिशाहीन बताते हुए घाटा बढ़ाने वाला बजट करार दिया है। भाजपा नेताओं ने बजट को संतुलित और विकासात्मक बताया है। किसानों के लिए अलग बिजली निगम की स्थापना सरकार का कृषि विकास की दिशा में बढ़ाया गया बड़ा कदम करार दिया गया है। जिले को बजट में तोहफे के रूप में 200 की जगह 300 बेड का अस्पताल मिला है। जमीन अधिग्रहित होने के बावजूद ड्राइव ट्रेनिंग स्कूल का जिक्र बजट भाषण में नहीं हुआ, जिससे इसके निर्माण का रास्ता साफ नहीं हुआ है। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने बजट को हर वर्ग के लिए बेहतर बताते हुए कहा कि सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ाकर महिलाओं को पूरा सम्मान दिया है। इस योजना के तहत पात्रता

रेवाड़ी। भाजपा कार्यालय में हरियाणा बजट देखते हुए कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

सत्तापक्ष की नजर में बजट 'नायाब' विपक्ष ने बताया नीरस व दिशाहीन

आय सीमा बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये करने से हजारों महिलाओं को लाभ मिलेगा। योजना का बजट बढ़ाकर 6500 करोड़ रुपये करना स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी में 200 बेड की जगह 300 बेड का अस्पताल खोलना भी जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में बड़ा कदम है। रेवाड़ी में कॉमन इंडस्ट्रियल सेक्रेटिएट बनाने से उद्योगपतियों को पूरा फायदा मिलेगा। डा. पोपली ने कहा कि यह बजट देश को विकास की राह पर ले जाने की तर्ज पर विकसित हरियाणा के सपनों को साकार करने वाला बजट है। प्रदेश के पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी ने संतुलित और विकासात्मक बजट पेश किया है। बजट में शिक्षा से लेकर चिकित्सा सुविधाओं तक का पूरा ध्यान रखा गया है। सरकार ने किसानों की फसल लागत कम करने और उन्हें कृषि उत्पाद बेचने की दिशा में उचित प्लेटफार्म मुहैया कराने की दिशा में आवश्यक प्रावधान किए हैं। किसानों को पर्याप्त व सुलभ बिजली मुहैया कराने के लिए एग्री डिस्कॉम के नाम से नया निगम बनाने का निर्णय सराहनीय है। इससे बिजली कनेक्शनों का इंतजार करने वाले किसानों को बड़ी राहत मिलने वाली है। बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश को के विकास को नई गति देने का काम करेगा। मामड़िया आसमपुर में पशु अस्पताल की घोषणा स्वागत योग्य है।

जिलाध्यक्ष वंदना पोपली।

बावल विधायक डा. कृष्ण कुमार।

कोसली विधायक अनिल यादव।

पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल।

कोसली विधायक यादव ने बजट को सराहा

कोसली के विधायक अनिल यादव ने बजट को विकासशील व दूरगामी सोच वाला बजट बताते हुए कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी ने ऐसा बजट पेश किया है, जो प्रदेश में विकास के पहिए तेजी से घुमाएगा। किसान से लेकर विद्यार्थियों और अन्य वर्ग के उत्थान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम की ओर से पेश किया गया बजट हर वर्ग के लोगों के लिए हित में है। यह बजट विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बजट में शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े प्रावधान किए गए हैं।

आम आदमी को कुछ नहीं मिलने वाला

प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नायब सरकार का यह बजट नीरस और दिशाहीन है। इस बजट से आम आदमी को कुछ भी नहीं मिलने वाला। बजट राजकोषीय घाटे को बढ़ाएगा, जिससे प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढ़ जाएगा। विभिन्न मदों से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा कर्ज के ब्याज में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट में अहीरवाल क्षेत्र को भी खाली हाथ रखा गया है।

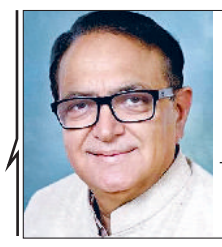

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव।

सरकार ने सुझावों को किया बजट में शामिल सीआईएस से मिलेगी व्यापक सुविधाएं

रेवाड़ी। सीएम नायब सिंह सैनी के बजट ने उद्योगपतियों को काफी हद तक उपयोगी करार दिया है। उद्योगपतियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से उनसे बजट से पहले जो सुझाव मांगे थे, उन्हें बजट में शामिल किया गया है। उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में व्यापक प्रावधान किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने इस समस्याओं से कटा हुआ दस्तावेज करार दिया है। बजट को लेकर विभिन्न लोगों से बातचीत की गई।

इलेक्ट्रिक कंपनी से जुड़ी अनुराधा यादव ने बताया कि सरकार ने उद्योगपतियों की ओर से दिए गए सुझावों को बजट में शामिल किया है, जो स्वागत योग्य है। कॉमन इंडस्ट्रियल सेक्रिटेरिएट के लिए बजट में प्रावधान उद्योगपतियों के लिए राहत देने वाला है। इससे 0उन्हें विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का समाधान एक ही छत के नीचे कराने का मौका मिलेगा। कपारो कंपनी के मदन मोहन का कहना है कि सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बजट में विभिन्न मदों को लेकर व्यापक प्रावधान किए गए हैं। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा प्रदेश के उद्योगों का विस्तार होने में मदद मिलेगी। उद्योगों को बढ़ावा मिलने से प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या पर भी अंकुश लग सकेगा।

विपक्ष ने बताया आंकड़ों की चमक

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव चिरंजीव राव ने कहा कि यह बजट प्रदेश की वास्तविक समस्याओं से कटे हुए दस्तावेज जैसा प्रतीत हो रहा है। यह बजट जनभावनाओं के अनुरूप नहीं है, जिसमें भविष्य की स्पष्ट दिशा नजर नहीं आ रही है। सरकार ने बड़े-बड़े वित्तीय दावे तो किए हैं, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई और विकास की चुनौतियों को लेकर कोई प्रावधान नजर नहीं आ रहे हैं। बजट कुल मिलाकर आंकड़ों की चमक से बढ़कर कुछ नहीं है।

बजट के नाम पर केवल खानापूर्ति

इनेलो के प्रवक्ता रजवंत डहीनवाल ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट को लेकर उत्सुकता रहती है कि बजट में प्रदेश में विकास होगा रोजगार मिलेगा। लेकिन अब केवल खानापूर्ति सी नजर आती है, क्योंकि बजट का 30 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा कर्जा, ब्याज, वेतन चुकाने में चला जाता है जो बचता है, उसको भी खर्च नहीं किया जाता। आज बीजेपी सरकार जनता को भ्रमित किस प्रकार किया जाए उस पर ध्यान ज्यादा देती है। खुद की पीठ थपथपाने के अलावा बीजेपी सरकार के पास कोई काम नहीं।

खबर संक्षेप

मेघवाल उत्थान समिति ने की समाज के उत्थान और संगठन विस्तार पर चर्चा

रेवाड़ी। सोमवार को मेघवाल उत्थान समिति की ओर से राज्य स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया। इस मौके पर समाज के उत्थान, शिक्षा और संगठन विस्तार से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की शुरूआत होली मिलन समारोह के साथ हुई। बैठक में आगामी अगस्त माह में द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में समिति के संरक्षक वेद प्रकाश, प्रधान सूरजभान, सचिव भूपेंद्र मेघवाल, सह सचिव अशोक मेघवाल, उपाध्यक्ष देवेंद्र मैनेजर, प्रभारी परमेश्वर दयाल मैनेजर, लालचंद फोरमैन, भूप सिंह बलेवा, मुनीलाल, रूड़ाराम, योगेश कुमार, धर्मपाल, इंदर सिंह, योगेश, बलवान व ओमपाल सहित समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

नंदरामपुर बास रोड पर बह रहा दूषित पानी बना आफत

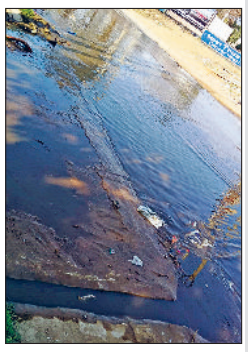

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के नंदरामपुर बास रोड पर बह रहा दूषित पानी लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। नगरपालिका की ओर से टेंडर करने के बावजूद नंदरामपुर बास रोड पर गंदे पानी की निकासी के लिए नाले का निर्माण नहीं किया गया है और न ही सफाई की जा रही है, जिसके कारण लंबे समय से सड़क पर गंदा पानी भरा हुआ है। पूर्व पार्षद बिट्टू ने बताया कि दूषित पानी की समस्या के समाधान के लिए कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला है, समस्या ज्यों की त्यों पड़ी हुई है। कस्बे के लोगों ने शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल को पत्र लिखकर नाले के निर्माण कार्य की जांच की मांग की है।

महावर वैश्य युवा समिति ने होली के पर्व पर लगाया भंडारा

रेवाड़ी। होली के पावन पर्व पर महावर वैश्य युवा समिति की ओर से बावल रोड पर होली मिलन समारोह व भंडारे का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने एक-दूसरे को चंदन तिलक लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दी और होली पर पानी व्यर्थ न बहाने का आह्वान किया। भंडारे में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक सेवा, आपसी सौहार्द एवं प्रेम भावना को सुदृढ़ करना रहा। समिति पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर महावर वैश्य युवा समिति के प्रधान रिंकेश गुप्ता, उपप्रधान श्याम गुप्ता व राजेश गुप्ता, सचिव सचिन गुप्ता, सह सचिव विष्णु गुप्ता व नवीन गुप्ता, कोषाध्यक्ष कमल गुप्ता, महामंत्री अमरबाबू गुप्ता व मीडिया प्रभारी दिव्यांश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने होली पर्व पर दी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

कोसली। सरस्वती सीनियर सैकेंडरी स्कूल में होली मिलन समारोह और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव और समाजसेवी सरोज यादव ने शिरकत की। समारोह में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंच और समाजसेवी मौजूद थे। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। अभिभावकों के लिए भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्कूल चेयरमैन मंजू बाला ने विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं दी।

जैनपुरी में चल रहा कष्ट निवारक जैन सिद्ध चक्र महामंडल विधान, कल होगा समापन

रेवाड़ी। जैनुपरी स्थित भगवान चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन कुआं वाला मंदिर में चल रहे 8 दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव में समाज के सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु हिस्सा ले रहे हैं। दमोह मध्यप्रदेश से पधारे प्रतिष्ठाचार्य डा. अभिषेक कुमार जैन और जैन पब्लिक स्कूल के संस्कृत विभागाध्यक्ष व सह प्रतिष्ठाचार्य राजेश कुमार जैन के सान्निध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान की संगीतमय महता पर विस्तार से प्रकाश डाला जा रहा है। भोपाल से आई पारस जैन एंड पार्टी विधान में संगीत दे रही है। विधान में सौधर्म इन्द्र सुदेश जैन-निर्मला जैन, कुबेर इन्द्र मनीष जैन-अमिता जैन, महायज्ञ नायक आशीष जैन-राशि जैन, ईशान इन्द्र महेन्द्र जैन-सुनीता जैन, सनत कुमार इन्द्र सिद्धांत जैन-समीक्षा जैन, माहेन्द्र इन्द्र प्रदीप जैन-कंचन जैन बनने का सौभाग्य मिला। विधान के दौरान प्रातः भगवान का अभिषेक व एवं शांतिधारा, नित्य नियम पूजन व रात्रि को अनेक धार्मिक व भजन स्पर्धाएं आयोजित की जा रही है।

हिंदू सम्मेलन में लोगों को संस्कृति के साथ स्वदेशी अपनाने के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

बाबा मुक्तेश्वरपुरी हिंदू सम्मेलन सेवा समिति के तत्वावधान में कोसली के माता मंदिर परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिलाओं की कलश यात्रा से किया गया।

इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संस्कृत आयाम प्रमुख डा. अश्वनी जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदू समाज को एक साथ जोड़ना और लोगों को धर्म, संस्कृति और परंपराओं के साथ देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए जागरूक करना है। इस मौके पर सरपंच रामकिशन, वीर कुमार यादव, बसंत लोहिया, संघ संचालक, अनिल यादव, गुरुदत्त पंडित, कैप्टन युद्धवीर, कप्तान सहीराम, सूबेदार सुकरमपाल व अधिवक्ता संजय यादव मौजूद थे।

रेवाड़ी। कोसली में आयोजित हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य वक्ता।

समाधान शिविर में पहुंची शहबाजपुर खालसा के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत

रेवाड़ी। सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एडीसी राहुल मोदी ने आमजन की शिकायतें सुनीं। इस मौके पर एडीसी मोदी ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है, जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में सरस्वती विहार फेस-2 में पेयजल की आपूर्ति नहीं होने, गांव शहबाजपुर खालसा में मुख्य मार्ग पर अवैध अतिक्रमण सहित पेंशन, परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, पुलिस, बिजली से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिन पर एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी पवन कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में नेहा, पूर्वी व वैशाली की टीम बनी विजेता

रेवाड़ी। राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-18 में सोमवार को भौतिकी, वनस्पति विज्ञान तथा प्राणी विज्ञान विभागों की ओर से पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीनों विभागों से 26 टीमों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि विज्ञान विषय केवल किताबों से नहीं पढ़ा जा सकता। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विज्ञान की प्रैक्टिकल नॉलेज हासिल करनी चाहिए। उन्होंने विज्ञान को साइकोलॉजी से जोड़ते हुए इसके अनेक मानवीय पहलुओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षक भी पढ़ाने के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर नए व रोचक तरीकों से विज्ञान की शिक्षा प्रदान करें। स्टाफ सेक्रेटरी डा. सुनीता ने भी सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल में सुनील कुमार, डा. जयश्री व डा. योगेश शामिल थे। कार्यक्रम में मनीषा, मीनाक्षी, महिपाल, अग्निवेश, भरत शीतल, मंजू, मिंटू, मौसम, पूनम व प्रकृति ने योगदान दिया। प्रतियोगिता में नेहा, पूर्वी व वैशाली ने प्रथम, अंजलि, अंजलि कुमारी व साक्षी ने द्वितीय तथा मुस्कान, कोमल व ऋषिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पूर्व सैनिकों का हुआ मिलन, एक-दूसरे के गले मिलकर ताजा की यादें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जाट धर्मशाला में 20 जाट रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में जिले के पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में रेजिमेंट के रिटायर्ड कमांडिंग ऑफिसर एनएस गिल और मेजर मानसिंह पूनिया ने विशेष तौर पर हिस्सा लिया। समारोह में जनरल गिल ने कहा कि सेवाकाल में देश की सीमाओं पर अपनी जान की बाजी लगाने वाला सैनिक सेवानिवृत्ति के बाद भी देशसेवा के लिए तत्पर रहता है। जब भी देश की आन-बान-शान पर खतरा नजर आता है, पूर्व सैनिक उससे निपटने के लिए तत्पर रहते हैं। जाट रेजमेंट ने हमेशा दुश्मन के दांत खट्टे करने में अग्रणी और साहसिक भूमिका का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि होली पर्व पर पूर्व सैनिकों ने जो मिलन कार्यक्रम रखा है, ऐसे कार्यक्रम नियमित अंतराल के दौरान होने चाहिए।

ये रहे मौजूद

कर्नल मोहित्रा, ब्रिगेडियर एवाई राजन, कर्नल बडोला, कर्नल कोहली, सूबेदार मेजर कृष्ण सिंह, सूबेदार मेजर जगबीर दहिया, कप्तान बलवान, सूबेदार सज्जन, सूबेदार धर्मवीर, सूबेदार चांदबीर व सूबेदार बिजेंद्र सहित बड़ी संख्या में रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए करें प्रेरितः सीईओ

रेवाड़ी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं हरियाणा राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन के मिशन निदेशक राहुल मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाइन विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजन किया गया। एडीसी एवं सीईओ जिला परिषद राहुल मोदी ने कहा कि स्वयं सहायता ग्रुप को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनकी आजीविका को सुदृढ़ किया जाए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता ग्रुप के सदस्यों को ऋण सुविधा व प्रशिक्षण दिया जाए। एडीसी ने कहा कि रोडवेज बस स्टैंड पर एचएसआरएलएम समूह को दुकान उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने लेबर व एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में नई कैंटीन खोलने के लिए उपयुक्त जगह का चयन किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा समूह की महिलाएं अपनी आजीविका शुरू करके आत्मनिर्भर बन सके। बैठक में श्रम विभाग के सहायक निदेशक दिनेश, डीएचओ डा. मंदीप यादव, आरएसईटीआई के निदेशक सीपी यादव, एचडब्ल्यूडीसी के जिला प्रबंधक राजकुमार, एचएसआईआईडीसी से अजीत, एचएसआरएलएम के डीपीएम आफताब अहमद सहित ब्लॉक मैनेजर मौजूद थे।

अभियान हवा बाजी करने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया

पुलिस ने 1270 वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

- शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से गत सप्ताह ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़कर हवा बाजी करने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस ने गत सप्ताह 23 फरवरी से 1 मार्च के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 26 वाहन चालकों के चालान किए। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वे अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। इसके अलावा पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण करने पर 2 वाहन चालको पर शिकंजा कसा। साथ ही लाल व नीली बत्ती लगाने पर 2 व लेन चेंज से संबंधित नियम की अवहेलना पर 1240 वाहन चालकों के चालान किए गए।

रेवाड़ी। वाहन चालक में शराब की मात्रा चेक करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं: मीणा

एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गाड़ियों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें। नशे की हालत में वाहन चलाकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड़ने व ध्वनि प्रदूषण करने से बचें।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया होली पर्व

कोसली। उपमंडल क्षेत्र के विभिन्न गांवों में होली का पावन पर्व सोमवार को श्रद्धा, उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। महिलाओं ने विधिवत होलिका पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। बच्चों व युवाओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं, वहीं बुजुर्गों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पर्व को मनाया। कोसली स्टेशन क्षेत्र में नठेड़ा रोड़ स्थित पार्क व कोसली गांव में मुख्य चौक पर होलिका दहन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। शाम को पूरे विधि-विधान के साथ होलिका दहन संपन्न हुआ।